

केस संख्या

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>को कतार वादी पक्षमा प्रमाणित करने की अनुमति दी जाती है, पक्षमा वादी संशोधित आवत एवं मोर अदावाती हेतु दिनांक 20.2.18 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;"><u>End</u> 30.1.18</p>
20 ² / ₁₈		<p>पत्रावली पेश हुई, नसीब पक्षमा उप. नसीब वादी ने संशोधित आवत पेश किए जो शाहील मिस्टर की पत्रावली वादी मिस्टर एवं मोर अदावाती हेतु दिनांक 13.3.18 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;"><u>End</u> 20.2.18</p>
133 ¹ / ₁₈	13-3-18	<p>पत्रावली पेश हुई, नसीब पक्षमा उप. नसीब पक्षमा ने मिस्टर हेतु सहाय वादी को डिएर नसीब पक्षमा वादी मिस्टर एवं मोर अदावाती हेतु दिनांक 20.3.18 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;"><u>End</u> 13.3.18</p>
20 ³ / ₁₈		<p>पत्रावली पेश हुई, नसीब पक्षमा उप. नसीब वादी उपस्थित नहीं है नसीब प्रतिवादी ने निवेदन किया कि उक्त पत्रावली में व्यापक</p>

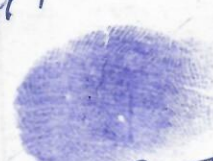
माफिया
13-3-18

L.T. श्रीराम

फर्द अहकाम

बनाम

मालय

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>द्वारा दिनांक 30.1.18 को पारित आदेश को आज दिनांक 20.3.18 तक पालना नहीं हुई है वादी के वकील द्वारा दिनांक 20.2.18 को सशोधित उत्तर पेश किया जा चुका है उक्त सशोधित उत्तर के रिकॉर्ड पर नही लिखा जा सकता तथा न्यायालय के आदेश दिनांक 30.1.18 को पालना में कोई अपवाद है तथा वकील वादी ने धारा 5 प्रॉविसो पर 022R3, 9 पं. के साथ प्रस्तुत किया है वह अपूर्ण है उक्त प्रस्ताव के साथ वादिका का वकील नामा वादी के अधि रक्ता द्वारा प्रस्तुत नहीं किया है वकील नामा के अभाव में वकील वादी का वाड व प्र. पर 022R3, 9 पं. शवाहज किये जाने योग्य है</p> <p>पत्रावली का अवलोकन एवं वकील प्रतिवादी के वाड पर प्र. मुने के पश्चात पत्रावली से यह स्पष्ट है कि प्रॉविसो पर 022R3 9 पं. समस्त पक्षकारों के साथ प्रस्तुत नहीं किया एवं उक्त पक्षकारों का वकील नामा भी पेश नहीं किया है तथा न्याया</p>	<p>सि. सी. डाय  20-3-2018</p>

फर्द अहकाम

बनाम

नाम न्यायालय

केस संख्या

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>वारी चाहिए थी अपन सहित चन के अधार पर सह होत है कि वारी अपने वाड के चलो में रुचि नहीं रख रहा है आज वारी वारी उपस्थित नहीं है वारी वारी गण रूप उपस्थित है न्यायालय सपुत्र वारी के क वारी को जे लगे वा है जइ प्रत्यु वारी रूप अथा उनी कोर से को उ वारी आदि उपस्थित नहीं है अतः वारी वारी गण वारी वाड अपसे इधरी अपसे पारी से वारी विपक्षत है पनावरी गण से वारी है ।</p> <p>आज दिनांक 20.3.18 को यह निर्णय वारी न्यायालय में सुनाया गया ।</p> <p style="text-align: center;">Bmd <u>20.3.18.</u></p>